Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to regularise the services of Aanganwadi sevikas as Group C or D employees and enhance the payment made to them.

श्री अरविन्द सावंत)मुम्बई दक्षिण:(बाल सेवा योजना केंद्र सरकार की पुरस्कृत योजना के अंतर्गत देश में 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों में लगभग 27लाख से भी ज्यादा आंगनवाड़ी सेविका अपनी सेवाएं दे रही हैं तथा बच्चों की देखभाल करती हैं लेकिन ये सेविकाएं आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। पिछले 40वर्षों मे इन सेविकाओं के मानधन में केवल 6 बार ही वृद्धि हुई है। वर्ष 2005 में 500 व250 रुपये, 2008 में 500 एवं 250रुपये, 2011 में 1500 एवं 750रुपये बढ़ाये गये। उसके बाद आज तक इसमें कोई भी वृद्धि नहीं की गई है, इन सेविकाओं को भारत सरकार के तृतीय या चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों में शामिल कर वेतन में महंगाई भत्ता जोड़कर मासिक वेतन 18, 000रुपये करने की आवश्यकता है। साथ ही सेवानिवृत्ति के बाद इनको 3000से 5000 रुपये तक मासिक पेंशन दिये जाने की आवश्यकता है।

अत :मेरा सरकार से अनुरोध है कि इन आंगनवाड़ी सेविकाओं को तृतीय या चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों में शामिल किया जाए तथा इनके वेतन में वृद्धि की जाए और सेविनिवृत्ति के बाद इनको मासिक पेंशन दी जाए ।